B.A. II, Sub - 233

Sociology (Poverty)

निर्धनता -

निर्धनता को सभी समाजों में एक प्रमुख सामा. समस्या माना जाता है। यह एक गंभीर समस्या है। भारत के करोड़ों लोगों के पास खाने के लिए रोटी, पहनने के लिए वस्त्र तथा रहने के लिए मकान नहीं है। धन के अभाव को मोटे शब्दों में निर्धनता, दरिद्रता या गरीबी कह सकते हैं। इसका अभिप्राय: प्राय: उस स्थिति से है जिसमें कोई व्यक्ति अथवा व्यक्तियों का समूह अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम नहीं रहता है। यह एक सापेक्षिक अवधारणा है। न्यूनतम आवश्यकताओं का पैमाना देश, काल एवं समाज की दृष्टि पर निर्भर करता है। विश्व बैंक निर्धनता को 1.25 अमेरिकी डालर (लगभग 100 रु०) से कम पर जीवन यापन को परिभाषित करता है।

भारत में सरकारी तौर पर निर्धन उसे माना जाता है जो शहरी क्षेत्रों में कम-से-कम 2100 कैलोरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 2400 कैलोरी खुराक अपने दैनिक जीवन में जुटाने में असमर्थ है।

गिलिन एवं गिलिन के अनुसार (Cultural Sociology) - "निर्धनता वह दशा है जिसमें कोई व्यक्ति कम आय अथवा बुद्धिहीन खर्चों के कारण अपने जीवन स्तर को अपनी शारीरिक तथा मानसिक कुशलता के योग्य रखने में असमर्थ रहता है तथा वह अपने स्वाभाविक आश्रितों को अपने समाज के स्तर के अनुरूप जिसका कि वह सदस्य है, रखने में असमर्थ है।

गोडार्ड (Poverty: its Genesis and Exodus) के अनुसार -

"निर्धनता उन वस्तुओं का अभाव या अपर्याप्त पूर्ति है जोकि एक व्यक्ति तथा उसके आश्रितों को स्वस्थ रखने में आवश्यक है।

निर्धनता के कारण :-

(1) वैयक्तिक कारण - (1) मानसिक दोष
(2) शारीरिक दोष एवं बीमारियाँ
(3) आलस्य
(4) मद्यपान

Scanned by CamScanner

(2) भौगोलिक कारण – (i) प्राकृतिक संसाधनों की कमी
(ii) प्रतिकूल जलवायु और मौसम
(iii) हानिकारक कीड़े → फसलों से सम्बन्धित
(iv) प्राकृतिक विपत्तियाँ – तूफान, ज्वालामुखी, भूकंप

(3) आर्थिक कारण – (i) अपर्याप्त उत्पादन
(ii) कृषि का पिछड़ापन
(iii) कृषि पर अत्यधिक निर्भरता
(iv) उद्योग धंधों का अभाव
(v) धन का असमान वितरण
(vi) आर्थिक मंदी

(4) सामाजिक कारण – (i) दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली
(ii) सामाजिक कुप्रथाएँ
(iii) धर्म
(iv) संयुक्त परिवार प्रणाली
(v) जाति व्यवस्था –

(5) जनसंख्यात्मक कारण –

निर्धनता के परिणाम –
(1) अपराध एवं बाल अपराध –
(2) विवाह - विच्छेद
(3) आत्म हत्या
(4) भिक्षावृत्ति
(5) वेश्यावृत्ति
(6) व्यक्तिक विघटन

निर्धनता उन्मूलन के उपाय :–
निर्धनता उन्मूलन हेतु कई प्रकार के कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। जैसे –
(1) स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना – 1999 में
(2) सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना - 2001
(3) प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना – 2000-01 से
(4) अन्नपूर्णा योजना –
(5) इंदिरा आवास योजना
(6) मनरेगा - 2006 से

Scanned by CamScanner